(b) if so, what are the ramifications of this suggestion and how Government propose to implement it, both in the public and the private sector; and

(c) what is the fleet strength and operation of the Vayudoot vis-a-vis the private airlines and the fleet each one of them alongwith load factor actually used in the last two years ;

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI GHULAM HABI AZAD) : (a) and (b) This was only a suggestion to the NRIs/Private Air Taxi operators. Their response is awaited.

(c) Under the existing guidelines, Air Taxi operators are not required to submit the details of the load factors obtaining on their flight. Vayudoot's operations at present are limited as most of their aircraft are grounded. Therefore, it is not feasible to provide any meaningful comparison between operations of Vayudoot and Air Taxi opertors.

Schemes of the Airlines for Attracting Passengers

1313. SHRI NARAIN PRASAD GUPTA : Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state :

(a) whether public sector and the private sector airlines in the country have prepared schemes to attract passengers, following competition generated;

(b) if so, the details of the schemes declared by each of the public and private sector airlines and the results achieved: and

(c) whether Government propose to regulate the route performance of all the airlines in order to obtain optimum utilisation of the selling capacity rather than the flights going partially utilised wasting precious energy ?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI GHULAM NABI AZAD) : (a) Public sector airlines and private air taxi operators have implemented different schemes to improve their market share, in the competitive environment.

(b) Air India and Indian Airlines offer special fares and packages on certain routes to improve their business. Private air taxi operators are not required to furnish such information to the Government.

(c) There is no specific proposal under consideration of the Government at present.

Construction/Modernisation of Lilabani Airport

1314. SHRI NYODEK YONGGAM: Will the Minister of CIVIAL AVIATION AND TOURISM be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the Government of Assam has allotted land for the constructions/modernisation of Lilabani Airport in Assam and had also assured to provide other necessary facilities for the purpose; and

(b) if so, what are the details thereof ?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI GHULAM NABI AZAD) : (a) and (b) Government of Assam have earmarked 80 bighas of land belonging to the State Government and 56 bighas of land belonging to the private parties for upgradation of Lilabani Airport. While the land belonging to the State Government will be given free of cost to National Airports Authority (NAA), the private parties are to be paid compensation for acquisition of their land. Rs. 18.47 lakhs have already been deposited by NAA with the Government of Assam for acquisition of private and. Land is yet to be handed over to NAA.

Misbehaviour by Air hostesses of Air India and Indian Airlines

1315. SHRI DILIP SINGH JUDEV : Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state :

(a) whether Government have received complaints regarding misbehaviour by Air hostesses of Air India and Indian Airlines;

(b) if so, what are the details thereof; during 1993, till 31st January, 1994, sectorwise;

(c) the details of action taken or proposed to be taken by Government on these complaints; and

(d) if no action has been taken, the reason therefor ?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI GHULAM NABI AZAD) : (a) to (d) Information is being collected and will be laid on the Table of the Sabha.

गैर सरकारी एयरलाईनों में विदेशी नागरिक

1316. **श्री सुशील कुमार सम्भाजीराव शिन्दे :** क्या **नागर विमानन और पर्यटन** मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि हाल ही में अस्तित्व में आई कुछ निजी हवाई कम्पनियों ने विदेशी नागरिकों को नियुक्त किया है,

(ख) यदि हां, तो काकपिट क्रू और कैबिन क्रू के रूप में कार्य कर रहे विदेशी नागरिकों की संख्या कितनी है,

(ग) क्या सरकार देश में बेरोजगारी की स्थिति को देखते हुए इस सेवा में विदेशी नागरिकों की नियुक्ति के संबंध में कोई नीति अपनाने का विचार रखती है,

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है, और

(ङ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री श्री गुलाम नबी आजाद) : (क) और (ख) एक हवाई टैक्सी प्रचालक द्वारा एक विदेशी राष्ट्रिक को काकपिट कर्मीदल के रूप में लगाया गया है।

(ग) से (ङ) चूंकि हवाई टैक्सी प्रचालकों द्वारा बड़े पैमाने पर विदेशी राष्ट्रिकों को रोजगार नहीं दिया गया है, इसलिए वर्तमान में इस संबंध में किसी नीति का निर्धारण आवश्यक नहीं समझा जाता।

विदेशी एयर लाईनों का प्रचालन

1317. **श्री सुशील कुमार सम्भाजीराव शिन्दे :** क्या **नागर विमानन और पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि एअर इंडिया ने कुछ विदेशी एयरलाइनों को अन्य हवाई मार्ग आपरेट करने के लिए दिये हैं,

(ख) यदि हां, तो उन हवाई मार्गों का ब्यौरा क्या है, और ये हवाई मार्ग कौन-कौन सी विभिन्न एयरलाइनों द्वारा आपरेट किये जाते हैं,

(ग) एअर इंडिया को इसके बदले में कितनी रायल्टी मिलती है,

(घ) क्या सरकार इन हवाई मार्गों को इंडियन एयरलाइंस द्वारा आपरेट किये जाने के लिए देने पर विचार कर रही है,

(ङ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है, और

(च) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाम नबी आजाद) : (क) से (ग) दो देशों के बीच द्विपक्षीय विमान सेवा करार के अंतर्गत विदेशी विमान कम्पनियों को यातायात के अधिकार पारस्परिकता के आधार पर प्रदान किए जाते हैं। जब कभी प्रचालनात्मक कठिनाईयों के कारण हमारे राष्ट्रीय वाहक किसी मार्ग विशेष पर सेवा की व्यवस्था करने में असमर्थ हो जाते है तब अन्य वाहक के साथ एक वाणिज्यिक करार किया जाता है और इस प्रकार के एकपक्षीय प्रचालनों के लिए रायल्टी चार्ज की जाती है। वाणिज्यिक करारों के अंतर्गत संबंधित देशों से भारत के लिए प्रचालन कर रहे विदेशी एयरलाइनों की एक सूची विवरण में दी गई है (नीचे देखिए)। वर्ष 1992-93 के दौरान एअर इंडिया को प्राप्त हुई रायल्टी की राशि 30.96 करोड़ रु० थी।

(घ) जी, नहीं।

(ङ) और (च) एअर इंडिया और इंडियन एअर लाइंस अपनी क्षमता का सर्वोत्तम उपयोग सुनिश्चित करने के लिए एक दूसरे के साथ समन्वय कर रहे हैं और खाड़ी क्षेत्र में कई देशों के लिए संयुक्त उद्यम उड़ानों का प्रचालन कर रहे हैं।

विवरण

एकपक्षीय रूप से भारत के लिए प्रचालन कर रही और भारतीय नामित वाहक को मुआवजे का भुगतान कर रही एयरलाइनों के नाम :

1. बुलगेरियन एयरलाइन
2. इजिप्ट एअर